नवभारत

स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्य करने वालों को प्रशिक्षण

संवाददाता

पुणे. मुकुल माधव फाउंडेशन और फिनोलेक्स इंडस्ट्रीज की ओर से तीन दिन के मनोचिकित्सा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया. लंदन के 'कन्सर्न फॉर मेंटल हेल्थ' की टीम के मानसिक स्वास्थ्य क्षेत्र में काम करने वाले प्रतिनिधियों ने मानसोपचार का प्रशिक्षण दिया. मॉडल कॉलोनी के सिम्बायोसिस संस्थान में यह प्रशिक्षण शिविर संपन्न हुआ.

मुकुल माधव फाउंडेशन द्वारा मनोचिकित्सा प्रशिक्षण शिविर आयोजित

प्रशिक्षणार्थियों को 'वर्ल्ड सायकिएट्रिक एसोसिएशन' की ओर से गणमान्य व्यक्तियों द्वारा प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया. लंदन से आए डॉ. गजला अफजल, मौडस्ली हॉस्पिटल के डॉ. मिलाविक, मनोचिकित्सक डॉ. रम्या मोहन, मनोचिकित्सक डॉ. विल्यम शनाहन, फाउंडेशन की मैनेजिंग ट्रस्टी रितु प्रकाश छाब्रिया आदि उपस्थित थे. डॉ. गजला अफजल ने कहा कि बच्चों की मानसिक बीमारियों के इलाज में विशेषज्ञता रखने वाले मनोचिकित्सकों की कमी है. यही कारण है कि इस तरह के कार्यक्रमों के माध्यम से अप-टू-डेट प्रशिक्षण प्रदान करना अत्यावश्यक है.

■ मुकुल माधव फाउंडेशन के मैनेजिंग ट्रस्टी रितु प्रकाश छाबड़िया ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करने वाले मनोचिकित्सकों और अन्य पेशेवरों के लिए यह प्रशिक्षण है. इस पांच साल की साझेदारी ने लोगों में मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद की है.

■ हम भारत में मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति में सुधार लाने के उद्देश्य से एक सामाजिक मंच स्थापित करने की योजना बना रहे हैं. जिला परिषद स्कूलों के शिक्षकों को ससून के सहयोग से प्रशिक्षित किया गया. मानसिक बीमारी के लक्षणों के मामले में जिला हॉस्पिटल के माध्यम से दवाएं प्रदान की जा रही हैं.

650 लोगों को किया गया प्रशिक्षित

मुकुल माधव फाउंडेशन 6 साल से भारतीयों के अच्छे मानसिक स्वास्थ्य के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है. प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में काम करने वाले डॉक्टरों, मनोचिकित्सकों, नर्सों, विशेषज्ञों और इस क्षेत्र में काम करने वाले अन्य लोगों को वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन के मापदंडों के अनुसार प्रशिक्षित किया जाता है. अभी तक 650 से अधिक प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है.

Navabharat Pune Edition
24 Feb, 2020 Page No. 7